



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 14-2026] CHANDIGARH, MONDAY, APRIL 6, 2026 (CHAITRA 16, 1948 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

वित्त विभाग

अधिसूचना

दिनांक 1 अप्रैल, 2026

संख्या 04/66/2025-4एफ.आर./20381.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 283 के खंड (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, पंजाब वित्त नियम, जिल्द-I को, हरियाणा राज्यार्थ, आगे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) ये नियम पंजाब वित्त नियम, जिल्द-I (हरियाणा संशोधन), 2026 कहे जा सकते हैं।
(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।
- पंजाब वित्त नियम, जिल्द-I में, नियम 8.14 में, खण्ड (ख) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(ख) ऐसे मामलों में, जिनमें अनुदान के उपयोग के साथ व्यय की विशिष्ट मदों के विशेष विवरण या समय सीमा, जिसके भीतर राशि व्यय की जानी चाहिए, के रूप में शर्तें लगाई गई हैं या अन्यथा से अनुदान सहायता बिल पर हस्ताक्षर या प्रतिहस्ताक्षर करने वाले विभागीय अधिकारी, प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), हरियाणा जहां आवश्यक हो, को अनुदान से सम्बन्धित शर्तों की पालना प्रमाणित करने हेतु मुख्य रूप से जिम्मेवार होना चाहिए, जब तक इसके प्रतिकूल कोई विशेष नियम या आदेश न हो। उपयोगिता प्रमाणपत्र, नीचे दिए गए प्ररूप में और ऐसे अंतराल पर प्रस्तुत किया जाएगा, जिस पर प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), हरियाणा तथा संबंधित विभागाध्यक्ष के बीच सहमति से नियत किया गया हो। प्रमाणपत्र के अभिलेखन से पूर्व, प्रमाणित करने वाले अधिकारी को स्वयं की संतुष्टि के लिए कदम उठाने चाहिए कि जिन शर्तों पर अनुदान स्वीकृत किया गया था, उनकी पालना हो गई है या की जा रही है। इस प्रयोजन हेतु वह अनुदान से किए गए व्यय के संबंध में उचित अन्तराल पर ऐसी रिपोर्ट, विवरण इत्यादि, जो आवश्यक समझे जाएं, प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकता है। जहां अनुदान से किए गए व्यय के लेखों का स्थानीय स्तर पर निरीक्षण या लेखा-परीक्षा की जाती है, वहां निरीक्षण या लेखा-परीक्षा रिपोर्ट, जैसी भी स्थिति हो, दोनों में से एक प्रमाणपत्र शामिल होगा कि अनुदान से सम्बन्धित शर्तें पूरी हो गई हैं या की जा रही हैं अथवा उन शर्तों की उल्लंघना के ब्योरे देगा।

उपयोगिता प्रमाणपत्र प्ररूप

{ देखिए नियम 8.14 (ख) }

केन्द्रीय / राज्य से सम्बन्धित अनुदान के उपयोग को दर्शाने वाला प्रमाणपत्र

संस्था का नाम: राशि (रूप में)

क्रम संख्या	मंजूरी प्राधिकारी का नाम पत्र संख्या और तिथि के साथ	अनुदान का प्रयोजन, सशर्त या बिना शर्त	स्वीकृत की गई राशि (रूप में)	खजाना / जिला खजाना का नाम	जमा की तिथि (खजाना वाउचर संख्या तथा तिथि सहित)	खाता संख्या सहित बैंक का नाम, जिसमें राशि जमा करवाई गई है	वित्त वर्ष, जिससे अनुदान सम्बन्धित है	उपयोग की अवधि	उपगत ब्याज की राशि, यदि कोई हो (रूप में)	ब्याज सहित कुल राशि (रूप में)	व्यय की गई राशि (रूप में) (वाउचर संख्या तथा दिनांक सहित भुगतानों के विवरण संलग्न करें)	अव्ययित राशि (रूप में)	मंजूरी प्राधिकारी को वापिस की गई राशि (रूप में)	शेष राशि, यदि कोई हो (रूप में)	टिप्पणी, यदि कोई हो
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त व्यौरों के अनुसार मंजूरी प्राधिकारी द्वारा वित्त वर्ष में (संस्था का नाम) के लिए स्वीकृत की गई रूप में अनुदान राशि वास्तव में उस प्रयोजन के लिए उपयोग की गई है, जिसके लिए अनुदान प्राप्त किया गया था। अनुदान राशि के समुचित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित जांच की गई है:-

1. अनुदान की प्राप्ति और व्यय को दर्ज करने के लिए अनुरक्षित रजिस्टर तथा अभिलेख;
2. बैंक विवरण, कैश बुक/बही खाता;
3. अनुरक्षित सभी वाउचर, बिल;
4. (विनिर्दिष्ट की जाने वाली अन्य जांच)।

द्वारा तैयार किया गया
(लेखाकार/सम्बन्धित कर्मचारी)

द्वारा जांचा गया/सत्यापित किया गया
(मुख्य लेखा अधिकारी/वरिष्ठ लेखा अधिकारी/लेखा अधिकारी/
अनुभाग अधिकारी)

द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित
कार्यालय मोहर के साथ हस्ताक्षर
विभागाध्यक्ष / कार्यालयध्यक्ष

टिप्पण:-

1. उपयोगिता प्रमाणपत्र में समुचित औचित्य के साथ वाउचर संख्या, दिनांक, व्यय की गई राशि, खाते का मास/वर्ष और जिला खजाना का नाम वर्णित करते हुए स्पष्ट रूप से दर्शाया जाना चाहिए चाहे यह सशर्त या बिना शर्त हो।
2. अनुदान राशि के आंशिक उपयोग के मामले में, उपयोगिता प्रमाणपत्र में अप्रयुक्त शेष का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए और यह दर्शाया जाना चाहिए कि शेष राशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र बाद में प्रस्तुत किया जाएगा। अंतिम किस्त के लिए उपयोगिता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करते समय, पहले से समायोजित पिछली सभी राशियों के ब्यौरे भी प्रस्तुत किये जाने चाहिए।

3. सभी उपयोगिता प्रमाणपत्र, प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), हरियाणा के कार्यालय को एक समुचित अग्रेषण पत्र के साथ भेजे जाने चाहिए। अग्रेषण पत्र में, पत्र संख्या, दिनांक स्पष्ट रूप से वर्णित होनी चाहिए और उस पर प्राधिकृत हस्ताक्षर और कार्यालय मोहर भी अवश्य होनी चाहिए।'।

अरूण कुमार गुप्ता,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
वित्त विभाग।

HARYANA GOVERNMENT**FINANCE DEPARTMENT****Notification**

The 1st April, 2026

No. 04/66/2025-4FR/20381.— In exercise of the powers conferred under clause (2) of article 283 of the Constitution of India, the Governor of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Punjab Financial Rules, Volume-I in their application to the State of Haryana, namely:-

1. (1) These rules may be called Punjab Financial Rules, Volume-I (Haryana Amendment) 2026.
(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Punjab Financial Rules, Volume-I, in rule 8.14, for clause (b), the following clause shall be substituted, namely:-
 - “(b) “In cases in which conditions are attached to the utilization of grant in the form of specification of particular objects of expenditure or the time within which the money must be spent, or otherwise the departmental officer on whose signature or countersignature the grant-in-aid bill was drawn should be primarily responsible for certifying to the Principal Accountant General (A&E), Haryana where necessary, the fulfillment of the conditions attaching to the grant, unless there is any special rule or order to the contrary. The Utilization Certificate shall be furnished in performa as given below and at such interval, as may be agreed between the Principal Accountant General (A&E), Haryana and the Head of the Department concerned. Before recording the certificate, the certifying officer shall take steps to satisfy himself that the conditions on which the grant was sanctioned have been or are being fulfilled. For this purpose, he may require the submission to him at suitable intervals of such reports, statements, etc, in respect of the expenditure from the grant, as may be considered necessary. Where the accounts of expenditure from the grant are inspected or audited locally, the inspection or audit report, as the case may be, shall either include a certificate that the conditions attaching to the grant have been or are being fulfilled or shall give details of the breaches of those conditions.

PERFORMA OF UTILIZATION CERTIFICATE

{see rule 8.14 (b)}

Certificate showing utilization of Grant related to Centre/State

Name of Institution: _____

Serial Number	Name of the sanctioning Authority with letter number and date	Purpose of the grant Conditional or Unconditional	Amount sanctioned (₹)	Name of the Treasury / District Treasury	Date of credit (with treasury Voucher Number and date)	Name of bank with account number in which amount is credited	Financial Year to which grant relates	Period of the utilization	Amount of interest accrued, if any (₹)	Total accumulated amount with interest (₹)	Amount spent (₹) (statement of payments be attached with Voucher Number and date)	Unspent amount (₹)	Amount refunded to Sanctioning Authority, if any (₹)	Balance amount, if any (₹)	Remarks, if any.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16

Amount in ₹

Certified that grant of ₹ _____ sanctioned for the financial year _____ to _____ (name of the Institution) by the Sanctioning Authority (as per above details) has been actually utilized for the purpose for which grant has been received. The following checks have been exercised to ensure proper utilization of amount of grant:-

1. Registers and records maintained for recording receipt and expenditure of grants;
2. Bank Statements, Cash Book/Ledger;
3. All vouchers, Bills maintained;
4. _____ (others checks to be specified).

Prepared By
(Accountant/Dealing hand)

Checked/Verified by
(Chief Account officer/Senior Account Officer/
Account officer/Section officer)

Countersigned by
Head of Department/ Head of Office
Signature along with the official stamp

Note:-

1. The Utilization Certificate must clearly indicate whether it is conditional or unconditional, with proper justification, mentioning voucher number, date, amount spent, month/year of Account and the name of the District Treasury.
2. In case of partial utilization of the grant amount, the Utilization Certificate should clearly state the unutilized balance and indicate that the Utilization Certificate for the remaining amount will be submitted later on. At the time of submission of the Utilization Certificate for the final installment, details of all previous amounts, already adjusted, should also be furnished.

3. All the Utilization Certificates must be sent to the Office of the Principal Accountant General (Accounts and Entitlement), Haryana, along with a proper forwarding letter. The forwarding letter should clearly mention the letter number, date, and must bear the authorized signatory's signature along with the official stamp."

ARUN KUMAR GUPTA,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Finance Department.

12517—C.S.—H.G.P., Pkl.